आउटसोर्स भर्ती : नियुक्ति में फर्जीवाड़ा के साथ बढ़ता शोषण

कर्मचारियों को मिलता है निर्धारित से कम वेतन, 12 से 24 घंटे करना पड़ता है काम

नवभारत न्यूज

सीधी 7 अक्टूबर। विभागों में कर्मचारियों की कमी को पूरा करने के लिये आउटसोर्स कम्पनियों को सौंपी गई जिम्मेदारी में फर्जीवाड़ा के साथ नियुक्त कर्मचारियों का शोषण बढ़ता ही जा रहा है।

आउटसोर्स के माध्यम से विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए प्रदेश सरकार जो वेतन की राशि देती है उसमें काफी कटौती करके भुगतान करने का खेल बेखौफ होकर शुरू किया गया है। हालात यह है कि आउटसोर्स कम्पनी के माध्यम से नियुक्त कर्मचारी यदि शोषण का खुलकर विरोध करते हैं तो उन्हें कमी निकालकर तत्काल बाहर कर दिया जाता है। मजबूरी में आउटसोर्स कर्मचारी मुस्तैदी से ड्यूटी करने के बाद भी शासन की ओर से दी जा रही निर्धारित वेतन की राशि भी नहीं पाते। आउटसोर्स कम्पनियों द्वारा कर्मचारियों का किए जा रहे आर्थिक शोषण को लेकर लगातार विरोध हो रहा है फिर भी प्रदेश सरकार इसकी अनदेखी कर रही है। मालूम रहे कि सीधी जिले में आउटसोर्स एमपी कॉन कम्पनी भोपाल को कर्मचारियों की नियुक्ति का जिम्मा सौंपा गया है। जिस भी विभाग से कर्मचारियों की भर्ती की मांग विभागीय अधिकारी करते हैं वहां की नियुक्ति कम्पनी द्वारा की जाती है। अस्पताल, मंडी, नागरिक आपूर्ति विभाग, शिक्षा, विद्युत सहित कई विभागों में आउटसोर्स कर्मचारी बड़ी संख्या में काम कर रहे हैं। इनमें कुछ विभाग तो ऐसे हैं कि यहां नियुक्त कर्मचारियों से 24 घंटे काम लिया जाता है और वेतन उनको 8 हजार रुपए ही दिया जाता है। बेरोजगारी के बोझ से दबे यह कर्मचारी होने वाले भारी शोषण का विरोध भी नहीं कर पाते। मिली जानकारी के

अनुसार विभिन्न विभागों में कम्प्यूटर आपरेटर में कार्यरत कर्मचारियों को हर महीने वेतन के लिए प्रदेश सरकार 19029 रुपए कम्पनी को देती है। कम्पनी द्वारा कार्यरत कम्प्यूटर आपरेटर को 9 से 11 हजार रुपए का भुगतान दिया जाता है। वहीं सुरक्षा गार्ड को वेतन के लिए सरकार 14624 रुपए देती है और कम्पनी द्वारा भुगतान 8 हजार रुपए किया जाता है। अस्पतालों में कार्यरत वार्ड ब्वाय के वेतन भुगतान के लिए सरकार कम्पनी को 14207 रुपए देती है। कम्पनी द्वारा केवल 7-8 हजार रुपए का भुगतान किया जाता है। जानकारों का कहना है कि कुछ विभाग ऐसे हैं जहां कर्मचारियों को 24 घंटे ड्यूटी के लिए हाजिर होना पड़ता है। नागरिक आपूर्ति एवं खाद्य विभाग तथा कृषि मंडी में नियुक्त आउटसोर्स कर्मचारी दिन के अलावा रात में भी जरूरत के समय जागरण करके ड्यूटी कर रहे हैं। इनको केवल कम्पनी द्वारा 10 हजार रुपए का ही भुगतान किया जा रहा है। यह दीगर बात है कि कार्यालयों में काम करने वाले आउटसोर्स कर्मचारी केवल 8 घंटे की ड्यूटी ही करते हैं। फिर भी इन्हें वेतन 10-12 हजार रुपए कम्पनी द्वारा दिया जाता है। दरअसल आउटसोर्स कर्मचारियों के शोषण के पीछे काम पाने वाली कम्पनियों की मजबूत सियासी पकड़ है। इसी के बल-बूते उनको विभाग में कर्मचारियों की नियुक्ति तथा वेतन भुगतान की जिम्मेदारी मिली हुई है। कम्पनी द्वारा वेतन का भुगतान संबंधित कर्मचारी के बैंक खाते में किया जाता है। जिसका पूरा रिकार्ड है कि कम्पनी प्रदेश सरकार से वेतन भुगतान के लिए जो राशि पा रही है उसमें भारी कटौती करके कर्मचारियों को दे रही है। साथ ही कर्मचारियों से पूरे समय कड़ाई के साथ काम लेने की व्यवस्था भी बनाई गई है। जिससे कोई भी कर्मचारी ड्यूटी पीरियड में आराम न कर सकें।

आईटी ब्यूटी की नियुक्ति में फर्जी अनुभव

सीधी जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में आईटी ब्यूटी की नियुक्ति में आउटसोर्स कम्पनी द्वारा जमकर फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। विभागीय सूत्रों के अनुसार कम्पनी द्वारा दलालों के माध्यम से भोपाल से नियुक्ति की कार्यवाही दो सालों से लंबी राशि लेकर की जा रही है। एक लाख से ऊपर की राशि दलाल वसूल कर फर्जी अनुभव पत्र के सहारे नियुक्ति दिला रहे हैं। आईटी ब्यूटी में वेतनमान 20 हजार रुपए होने के कारण पूरी प्रक्रिया गोपनीय तरीके से की जा रही है। नियुक्ति में शिक्षा विभाग के कई अधिकारी और शिक्षक दलाली कर रहे हैं।

कर्मचारियों के पीएफ में बड़ा घोटाला

आउटसोर्स कर्मचारियों के पीएफ सुविधा के नाम पर भी कम्पनी द्वारा बड़ा घोटाला किया जा रहा है। जानकारों के अनुसार वेतन भुगतान में जो कटौती की जाती है उसमें बहानेबाजी की जाती है कि संबंधित राशि पीएफ मद में जमा हो रही है। चर्चा के दौरान कुछ आउटसोर्स कर्मचारियों ने नाम न छापने आ आग्रह करते हुए बताया कि कम्पनी में यह प्रचलन बन चुका है कि यदि कोई भी नया कर्मचारी नियुक्त होता है तो उसका तत्काल पीएफ एकाउंट नंबर देने की जरूरत नहीं समझी जाती। इसको कम से कम तीन साल तक दबाकर रखा जाता है। कारण यदि कोई भी कर्मचारी होने वाले शोषण के चलते त्रस्त होकर यदि काम छोड़ देता है तो उसके वेतन से हर महीने पीएफ के नाम पर होने वाली कटौती की राशि कम्पनी द्वारा हजम कर ली जाती है।

इनका कहना है

जिले में उनकी पदस्थापना के दौरान आउटसोर्स भर्ती के फर्जीवाड़े पर जांच की जानकारी सामने आई थी। जांच पूरी हुई या नहीं इस संबंध में संबंधित सेक्शन से आवश्यक जानकारी लेकर कार्यवाही के लिये पहल करेंगे।

बी.पी.पाण्डेय, एडीएम सीधी

विवाह प्रेम का प्रतीक, यह भक्ति और सत्य की विजय का संदेश देता है : डॉ.श्याम सुन्दर

नवभारत न्यूज

सीधी 7 अक्टूबर। श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन कथाव्यास डॉ.श्याम सुंदर पाराशर ने श्रीकृष्ण और रुकमणी के विवाह का वर्णन किया। कथा के दौरान सुंदर झांकियां प्रस्तुत की गई। भक्तों ने रुकमणी विवाह का आनंद लिए।

आयोजन एवं मुख्य यजमान श्रीमती प्रमिला यज्ञ नारायण सोनी द्वारा पाव पाखरी की रस्म अदा की गई। कथा व्यास ने बताया श्रीकृष्ण और रुकमणी के विवाह की अमृत वर्षा का श्रद्धालुओं को रसपान कराया। भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य महारास लीला का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि नंदालय में गोपियों का तांता लगा रहता है। हर गोपी भगवान से प्रार्थना करती है कि किसी न किसी बहाने कन्हैया मेरे घर पधारें। भगवान की महारास लीला इतनी दिव्य है कि स्वयं भोलेनाथ उनके बाल रूप के दर्शन करने के लिए गोकुल पहुंच गए। मथुरा गमन प्रसंग में अक्रूर जी भगवान को लेने आए। जब भगवान श्रीकृष्ण मथुरा जाने लगे समस्त ब्रज की गोपियां भगवान कृष्ण के रथ के आगे खड़ी हो गई। कहने लगी हे कन्हैया जब आपको हमें छोड़कर ही जाना था तो हम से प्रेम क्यों किया। कथा के दौरान उन्होंने बताया कि रुक्मणी ने भगवान कृष्ण को पत्र लिखकर सहायता मांगी थी। इसके बाद कृष्ण ने उनका हरण कर विवाह किया। व्यास जी ने कहा कि यह विवाह प्रेम का प्रतीक है। साथ ही यह भक्ति और सत्य की विजय का संदेश देता है। इस मौके पर अंबरीश महाराज प्रयागराज, विनय सोनी, मोहन सोनी, श्रीमती गीता सोनी, अनसूया सोनी चुरहट, राकेश सेठ प्रयागराज, डॉ.अनूप मिश्रा, श्रीमती रंजन शुक्ला, श्रीमती पूनम सोनी, लालचंद गुप्ता, मानिंदधर द्विवेदी, केदार सोनी, महिपाल सेठ वाराणसी, राजीव सेठ, शिव प्रसाद सोनी बिठौली, रामसुन्दर सोनी, मनोज तिवारी, जितेन्द्र तिवारी सहित अन्य जन मौजूद थे।

ग्रामीणों की ही रहेगी जमीन, कांग्रेस खड़ी है साथ : ज्ञान सिंह

नवभारत न्यूज

सीधी 7 अक्टूबर। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने ग्राम बघवारी, छिरौंही एवं खिरखोरी के ग्रामीणों के साथ प्रस्तावित कॉपर ब्लॉक सर्वे एवं संभावित भूमि अधिग्रहण को लेकर गहन चर्चा की। उक्त समस्या को लेकर बड़ी संख्या में लोग जिलाध्यक्ष के निज निवास ज्ञान विला बघवारी पहुंचे थे।

बैठक में ग्रामवासियों ने एक स्वर में कहा कि वे अपने जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेंगे। ग्रामीणों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह अधिग्रहण उनकी आजीविका और अस्तित्व पर सीधा प्रहार है, साथ ही आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर संकट खड़ा करेगा। इसलिए वे लोकतांत्रिक तरीके से इसका पुरजोर विरोध करेंगे। चर्चा के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने ग्रामीणों की एकजुटता और जागरूकता की सराहना करते हुए कहा कि आप सबकी एकता ही हमारी ताकत है। आपके हितों की रक्षा के लिए यदि आंदोलन की आवश्यकता पड़ी तो कांग्रेस पार्टी इसके लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आपकी आवाज को हर मंच पर बुलंद करेगी और किसी भी सूरत में ग्रामीणों के अधिकारों का हनन नहीं होने देगी। ज्ञान सिंह ने आगे कहा कि जनता की अनुमति और हितों की अनदेखी कर किसी भी परियोजना को थोपने का प्रयास लोकतंत्र और संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। कांग्रेस हर स्तर पर इस मुद्दे को उठाएगी और ग्रामीणों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी। जनता की जमीन जनता की ही रहेगी। बैठक के अंत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आने वाले दिनों में व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा ताकि हर नागरिक को कॉपर ब्लॉक अधिग्रहण के संभावित प्रभावों की जानकारी दी जा सके और सामूहिक संघर्ष को मजबूत किया जा सके।

मझौली जनपद में सहायक उपकरण चिह्नांकन शिविर आयोजित

नवभारत न्यूज

मझौली 7 अक्टूबर। जनपद पंचायत मझौली के सभागार में वयोश्री योजना अंतर्गत वृद्धजनों एवं एडिप योजना अंतर्गत दिव्यांगजनों हेतु एलिम्को जबलपुर द्वारा सहायक उपकरण चिह्नांकन शिविर का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सांसद डॉ.राजेश मिश्रा तथा विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने शिविर में पहुंचे लाभार्थियों से संवाद कर शासन की योजनाओं की जानकारी दी एवं अधिकारियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। शिविर में कुल 111 पंजीकरण प्राप्त हुए, जिनमें से 50 लाभार्थियों का चिह्नांकन किया गया, जिसमें वयोश्री योजना अंतर्गत 30 वृद्धजन एवं एडिप योजना अंतर्गत 20 दिव्यांगजन शामिल रहे। शिविर का संचालन एसीईओ एवं सीईओ जपं मझौली धनंजय मिश्रा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस दौरान नारायण बैगा समग्र विस्तार अधिकारी, डॉ.दीपक त्रिपाठी वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र सीधी, ट्रांसडिसिप्लिनरी स्पेशल टीचर शिवांसु शुक्ला एवं एओ सुश्री नम्रता मिश्रा द्वारा चिन्हांकन कार्य में सहयोग प्रदान किया गया।

बरमबाबा समिति में हुआ जागरुकता कार्यक्रम

नवभारत न्यूज

सीधी 7 अक्टूबर। वन्य जीव सप्ताह संयुक्त वन प्रबंधन समिति जागरूकता कार्यक्रम में वन मंडल सीधी के वन परिक्षेत्र सीधी के समिति बरमबाबा में समिति सदस्यों एवं ग्रामीण जनो की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम मे वनपाल पंकज मिश्रा, सतेंद्र सिंह बघेल बीट गार्ड कोचिला, केके पनिका बीट गार्ड कारीमाटी एवं अन्य सुरक्षा श्रमिकों के साथ सम्पन्न कराया गया, जहां वन्य जीवों की सुरक्षा एवं वनो की सुरक्षा को लेकर जानकारी दी गई। अंत में शपथ भी दिलाई गई।

प्रतिबंधित दवाओं की जांच के लिए अनुभागवार अधिकारी नियुक्त, अपर कलेक्टर ने जारी किया आदेश

नवभारत न्यूज

सीधी 7 अक्टूबर। अपर कलेक्टर बी.पी.पाण्डेय ने आदेश जारी कर जिले के सभी मेडिकल स्टोर, क्लीनिक, झोलाछाप (बिना लाइसेंस वाले चिकित्सक) तथा सरकारी आपूर्ति केन्द्रों में कोल्डरिफ, नेक्ट्रो-डीएस सिरप एवं अन्य प्रतिबंधित अथवा अमानक दवाओं के स्टॉक, गुणवत्ता और बिक्री की व्यापक जांच के निर्देश दिए हैं। आदेशानुसार इस जांच कार्यवाही के लिए अनुभागवार अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो अपने-अपने क्षेत्र में जांच कर आवश्यक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे तथा नियमों के उल्लंघन पर संबंधितों के विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

इसी प्रकार चुरहट/रामपुर नैकिन अनुभाग हेतु शैलेश द्विवेदी एसडीएम चुरहट, साक्षी गौतम तहसीलदार चुरहट, रामप्रताप सोनी प्रभारी नायब तहसीलदार चुरहट, सुषमा देवी रावत प्रभारी तहसीलदार नायब कोर्ट पटपरा, आशीष कुमार मिश्रा प्रभारी तहसीलदार रामपुर नैकिन, महेन्द्र कुमार द्विवेदी प्रभारी नायब तहसीलदार रामपुर नैकिन, डॉ.वरुण सिंह चिकित्सा अधिकारी सा.स्वा. केन्द्र चुरहट, डॉ.प्रेरणा सुजीत त्रिपाठी प्रभारी खण्ड चिकित्सा अधिकारी सा.स्वा. केन्द्र रामपुर नैकिन एवं रितेन्द्र सिंह फार्मासिस्ट सा.स्वा. केन्द्र चुरहट को जांच कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सिहावल अनुभाग में प्रिया पाठक एसडीएम सिहावल, परमसुख बंसल प्रभारी तहसीलदार सिहावल, दिनेश तिवारी प्रभारी नायब तहसीलदार सिहावल, इन्द्रभान सिंह प्रभारी तहसीलदार बहरी, जयप्रकाश पाण्डेय प्रभारी नायब तहसीलदार बहरी, डॉ.रामभूषण पटेल प्रभारी खण्ड चिकित्सा अधिकारी सा.स्वा. केन्द्र सिहावल, डॉ.अमित वर्मा चिकित्सा अधिकारी सा.स्वा. केन्द्र बहरी, प्रतीक पाण्डेय फार्मासिस्ट सा.स्वा. केन्द्र सिहावल एवं सुनील सिंह चंदेल फार्मासिस्ट प्रा.स्वा. केन्द्र अमरपुर को जिम्मेदारी दी गई है। मझौली अनुभाग के लिए आर.पी.त्रिपाठी एसडीएम मझौली, दिलीप सिंह प्रभारी तहसीलदार मझौली, वेदवती सिंह प्रभारी नायब तहसीलदार मझौली, राजेश पारस प्रभारी तहसीलदार मड़वास, धन कुमार टोप्पो प्रभारी नायब तहसीलदार वृत्त गिजवार, डॉ.संदीप शुक्ला प्रभारी खण्ड चिकित्सा अधिकारी सा.स्वा. केन्द्र मझौली) डॉ.राकेश कुमार तिवारी चिकित्सा अधिकारी सा.स्वा. केन्द्र मझौली, सागर जैसवाल एवं नीलम सिंह फार्मासिस्ट सा.स्वा. केन्द्र मझौली को नामित किया गया है। वहीं कुसमी अनुभाग के लिए आर.पी. त्रिपाठी एसडीएम कुसमी, नारायण सिंह प्रभारी तहसीलदार कुसमी, अमित कुमार दुबे प्रभारी नायब तहसीलदार कुसमी, डॉ.सुधीर कुमार गुप्ता प्रभारी खण्ड चिकित्सा अधिकारी सा.स्वा. केन्द्र कुसमी, राकेश कुमार पटेल एवं दिनेश कुमार लोधी खाद्य सुरक्षा अधिकारी सीधी को जांच कार्य के लिए नियुक्त किया गया है। अपर कलेक्टर बी.पी.पाण्डेय ने स्पष्ट किया है कि अमानक एवं प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री और वितरण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा जांच के उपरांत दोषी पाए जाने वाले संस्थानों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

गोपद बनास में नियुक्त अधिकारी

उपखण्ड गोपद बनास के लिए नियुक्त अधिकारियों में राकेश शुक्ला एसडीएम गोपद बनास, राकेश कुमार शुक्ला तहसीलदार गोपद बनास, चन्द्रप्रकाश त्रिवेदी नायब तहसीलदार गोपद बनास, राधेश्याम भट्टी औषधि निरीक्षक प्रभारी सीधी, डॉ.श्रीया त्रिपाठी प्रभारी बीएमओ सेमरिया तथा दीपक कुमार द्विवेदी फार्मासिस्ट प्रा.स्वा. केन्द्र बंजारी शामिल हैं।

अभियान के माध्यम से कुल 53 मामलों का किया गया निबटारा

नवभारत न्यूज

सीधी 7 अक्टूबर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) तथा मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति (एमसीपीसी) के एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रयाग लाल दिनकर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में एवं मुकेश कुमार शिवहरे सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी, मनीष कौशिक जिला विधिक सहायता अधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष अखिल भारतीय अभियान, मीडिएशन फॉर द नेशन 01.07.2025 से 07.10.2025 तक चलाया गया। इस 90 दिवसीय गहन अभियन का उद्देश्य राज्य भर में लंबित मामलों को सुलह (मीडिएशन) के माध्यम से निपटान था। जिसमें जिला न्यायालय सीधी, तहसील न्यायालय चुरहट, मझौली, रामपुर नैकिन एवं कुटुंब न्यायालय सीधी के अंतर्गत विचाराधीन मामलों का मीडिएशन के माध्यम से त्वरित निराकरण किये जाने हेतु जिला न्यायालय सीधी में 1 जुलाई से मीडिएशन फॉर नेशन 90 दिवसीय विशेष अभियान का सफल आयोजन किया गया।

न्यायामूर्ति संजीव सचदेवा मुख्य न्यायाधीश मप्र उच्च न्यायालय एवं संरक्षक-इन-चीफ म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की प्रेरणा तथा न्यायामूर्ति अतुल श्रीधरन, कार्यकारी अध्यक्ष मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के मार्गदर्शन में यह अभियान चलाया गया। इसका उद्देश्य न्यायालयों में लंबित उपयुक्त मामलों का निपटारा करना और मध्यस्थता को एक उपयोगकर्ता अनुकूल विवाद समाधान प्रणाली के रूप में बढावा देना था, ताकि मप्र के प्रत्येक कोने में इसे अपनाया जा सकें।

सरस्वती मड़रिया में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नवभारत न्यूज

सीधी 7 अक्टूबर। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मड़रिया सीधी में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित सप्तशक्ति संगम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती शशि गौतम प्रांत वक्ता एवं सहसंयोजकए अध्यक्ष श्रीमती सपना पाण्डेय जिला संयोजक, श्रीमती श्रद्धा सिंह विभाग कार्यवाह राष्ट्रीय सेविका समिति एवं सहसंयोजक सप्तशक्ति संगम मंचासीन रहीं।

कार्यक्रम के प्रस्तावना में सपना दीदी ने बताया कि नारी शिक्षा एवं उसके सशक्तिकरण से समाज में सकारात्मक बदलाव होगा। इससे हमारा राष्ट्र समुन्नत बनेगा। इस कड़ी में शशि गौतम दीदी ने बताया कि नारी जागरूकता के माध्यम से पर्यावरण सुरक्षा बढ़ेगी, इसमें प्लास्टिक के उपयोग पर कमी होगी और हमारा पर्यावरण सुंदर बनेगा। श्रद्धा दीदी ने कहा कि पहले हमारा परिवार संयुक्त था जिसमें दादा-दादी, चाचा-चाची आदि होते थे। आज परिवार एकाकी होता जा रहा है जिससे समाज में असुरक्षा की भावना पनप रही है। अत: नारी शिक्षा के माध्यम से हम परिवार को जोड़ने का कार्य कर सकते हैं। इस तरह के कार्यक्रम से समाज में पांच परिवर्तन संभव है यथा कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, सामाजिक समरसता, स्व का बोध और नागरिक कर्तव्य।

इस कार्यक्रम में चुरहट विद्यालय के प्राचार्य रमेश चंद्र त्रिपाठी, ग्राम भारती के जिला समन्वयक रामजी मिश्र, सह संयोजक अमितेश शुक्ल, मनोज शर्मा जिला प्रभारी सप्तशक्ति संगम, राम शिरोमणि शर्मा, संगीता सिंह, दिनेश कुमार तिवारी, रवि मिश्रा, अमृत लाल सोनी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न मीडिया एवं पत्रकार बंधुओं ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पुलिस ने दो युवक को नशीली सिरप की 200 शीशियों के साथ किया गिरफ्तार

नशे की सामग्री के परिवहन में लगी स्कूटी जब्त, जमोड़ी थाना पुलिस ने की दबिश कार्रवाई

नवभारत न्यूज

सीधी 7 अक्टूबर। नशा व्यापारियों पर जमोड़ी पुलिस ने प्रहार करते हुए कार्रवाई में दो युवकों को नशीली सिरप की 200 शीशियों के साथ गिरफ्तार करते हुए परिवहन में प्रयुक्त स्कूटी भी जप्त किया है।

पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी जमोड़ी उप निरीक्षक दिव्य प्रकाश त्रिपाठी के नेतृत्व में थाना जमोड़ी पुलिस ने नशे के अवैध व्यापार पर निर्णायक कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार थाना प्रभारी जमोड़ी उप निरीक्षक दिव्य प्रकाश त्रिपाठी को मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति स्कूटी से नशीली कोडिनयुक्त कफ सिरप लेकर पड़रा बाईपास के पास बिक्री के लिए जा रहे हैं। सूचना पर तत्परता दिखाते हुए पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। मौके पर स्कूटी पर सवार साहिल खान पिता सुल्तान खान उम्र 25 वर्ष एवं हर्षित सोनी पिता दिनेश सोनी उम्र 19 वर्ष दोनों निवासी थनहवा टोला थाना कोतवाली सीधी मिले। दोनों की तलाशी लेने पर एक प्लास्टिक बोरी से 200 शीशियां ऑनरेक्स कफ सिरफ

कोडिनयुक्त बरामद हुई। बरामद सिरप की कीमत लगभग 40 हजार 300 रुपए तथा स्कूटी की कीमत लगभग 70 हजार रुपए आंकी गई। बरामद नशीली सिरप को विधिवत जप्त कर थाना लाया गया। दोनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 8, 21, 22 एनडीपीएस एक्ट एवं 5/13 ड्रग कंट्रोल एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उन्हें वैधानिक कार्यवाही उपरांत न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी उप निरीक्षक दिव्य प्रकाश त्रिपाठी, सउनि गोविंद लाल, प्रधान आरक्षक महेन्द्र पाटले, आरक्षक नीरज पारासर, अंकित सिंह, केपी सिंह, अभिषेक तेंदुलकर एवं मानेन्द्र शुक्ला की सराहनीय भूमिका रही।

पुलिस की नशा विरोधी निर्णायक कार्यवाहियां

विगत एक माह के दौरान सीधी पुलिस द्वारा नशे के अवैध कारोबार और मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध लगातार सशक्त अभियान चलाया गया है। इस अवधि में पुलिस ने अब तक लगभग 20 किलो गांजा, 5 किलो गांजा, 235 सीसी नशीली कोडिनयुक्त सिरप, एक ट्रक में भरी लाखों की अवैध शराब एवं 200 शीशियां नशीली सिरप बरामद कर कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्यवाहियों का उद्देश्य समाज में नशे के बढ़ते प्रचलन पर रोक लगाना एवं युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाना है। सीधी पुलिस द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।